अनुसूचित जाति की शिक्षित महिलाएँ एवं धार्मिक रीतियाँ

मनीष कुमार

अनुसूचित जाति के लोगों में भी बच्चा पैदा होने पर सवर्ण जातियों की भांति ही यह संस्कार सम्पन्न किया जाता है। बच्चे के पैदा होने पर 9 दिनों तक लोग अशौच मनाते हैं। वैसे अब ये बहुत ही कम अशौच का ध्यान रखते हैं। कुछ ही लोग हैं जिनके घरों में अशौच का पालन किया जाता है। जिन लोगों में यहां अशौच का पालन किया जाता है यदि उनके यहां मेहमान आदि आने पर भोजन की व्यवस्था अन्यत्र करनी पड़ती है। भोजन के अलावा भी अन्य कोई भी धार्मिक संस्कार 9 दिनों के अन्दर नहीं किया जायेगा।